भा. कृ. अनु. प.- केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, नागपुर
ICAR-Central Institute for Cotton Research, Nagpur
An ISO 9001:2015 Certified Organisation

कपास की खेती के लिए 17 से 23 दिसंबर 2024 तक की साप्ताहिक सलाह

उत्तर क्षेत्र: फसल की अवधि पूरी हो गई है।

मध्य प्रदेश		पिछले सप्ताह में वास्तविक वर्षा (मिमी)					अगले सप्ताह अनुमानित वर्षा (मिमी)				
		दिसंबर					दिसंबर				
		13	14	15	16	17	19	20	21	22	23
	खरगाँव										
	धार	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	खांडवा										
वर्षा की मात्रा एवं रंग कोड		0.1 से 2.4 मिमी		2.5 से 15.5 मिमी		15.6 से 64.4 मिमी		64.5 से 115.5 मिमी		115.6 से 204.4 मिमी	
वर्षा श्रेणी		बहुत हल्की वर्षा		हल्की वर्षा		मध्यम वर्षा		भारी वर्षा		बहुत भारी वर्षा	

फसल की स्थिति:

खंडवा में, बोई गई फसल बोल खुलने से चुनाई की अवस्था में है। अधिकांश खेतों में चुनाई का कार्य चल रहा है। खेतों में गुलाबी बॉलवर्म का संक्रमण ईटीएल से ऊपर देखा गया है। कुछ स्थानों पर बैक्टीरियल ब्लाइट, कोरिनेस्पोरा पत्ती धब्बा, ग्रे फफूंदी और सर्कोस्पोरा पत्ती धब्बे की घटना देखी गई है।

परामर्श:

खंडवा में, जहां भी गुलाबी बॉलवर्म की आबादी ई.टी.एल. को पार करती है, वहां किसी भी कीटनाशक जैसे साइपरमेथ्रिन 10% ई.सी. @ 250 मिली/एकड़ या साइपरमेथ्रिन 25% ई.सी. @ 100 मिली/एकड़ या लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन 5% ई.सी. @ 200 मिली/एकड़ या डेल्टामेथ्रिन 2.8 ई.सी. @ 200 मिली/एकड़ या फेनप्रोपेथ्रिन 10% ई.सी. @ 350 मिली/एकड़ या फेनवेलरेट 20% ई.सी. @ 200 मिली/एकड़ या अल्फासाइपरमेथ्रिन 10% ई.सी. @ 120 मिली/एकड़ का छिड़काव करें। कपास में बोल सड़न रोग और पत्ती धब्बा रोग प्रबंधन के लिए (कार्बेन्डाजिम 12%+मैन्कोजेब 63% डब्ल्यूपी) @3.0 ग्राम/लीटर या प्रोपीनेब 70% डब्ल्यूपी @ 2.5-3 ग्राम/लीटर या प्रोपिकोनाज़ोल 25 ईसी @ 1 मिली/लीटर या कार्बेन्डाजिम 50 डब्ल्यूपी @ 1.0 ग्राम प्रति लीटर पानी का पत्तियों पर छिड़काव करने की सलाह दी जाती है। बीज कपास की चुनाई करते समय उचित सावधानी बरतें, जिसे तेज धूप में ओस सूखने के बाद ही शुरू करना चाहिए। बैक्टीरियल लीफ ब्लाइट के प्रबंधन के लिए स्यूडोमोनास फ्लोरेसेंस 0.5% डब्ल्यूपी@0.2% का पत्ते पर छिड़काव करने का सुझाव दिया जाता है। ग्रे फफूंदी को नियंत्रित करने के लिए, (कार्बेन्डाजिम 12% + मैनकोजेब 63% डब्ल्यूपी) @30 ग्राम या (एज़ोक्सीस्ट्रोबिन 18.2% w/w + डिफेनोकोनाज़ोल 11.4% w/w एससी) @10 मिलीलीटर या क्रेसॉक्सिम-मिथाइल 44.3% एससी@ 10 मिली/10 लीटर पानी का पत्तियों पर छिड़काव करें। जिन खेतों में फसल पूरी हो चुकी है, वहाँ रबी की फसल बोई गई है। इन क्षेत्रों में, खेतों में कपास के पौधों के डंठल न रखें। मोबाइल कॉटन श्रेडर से आखिरी चुनाई के बाद कपास के डंठलों को काट लें। दिसंबर के अंत तक फसल को काट दें और फसल अवशेषों को नष्ट कर दें। यदि सिंचाई की सुविधा उपलब्ध है, तो रबी की फसल को चक्र के रूप में लें।

डॉ. रचना पांडे और डॉ. पूजा वर्मा द्वारा अनुवादित